श्री ओम प्रकाश त्यागी : दिल्ली सरकार को 95 रुपये में बेचने का आदेश दिया था। 76 रु० का गेहूं 95 रु० में। जब उन्होंने इसके बारे में बहस की तो 81 रु० में तय हुआ। ऐसा हुआ या नहीं ?

श्री जगजीवन राम : थोड़ा उस के फर्क को समझ कर सम्पूर्ण सत्य को कहना चाहिये। वह सफेद गेहूं का दाम था, सब का नहीं था। 8 रु० तो इस का स्टेशन तक ही खर्च लगता है। इस चीज को मैं सदन के सामने रख दूंगा—यह ऐसी चीज है जिसको सदन को देखना चाहिए कि कहाँ पर ज्यादा खर्च होता है। हम बराबर कोशिश करते हैं कि जितना खर्च हो कम हो, फिर भी हम चाहेंगे कि सदन इसको देखे और बतावे कि इसमें और कहाँ कमी की जा सकती है.....

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : सफेद गेहूं का भाव क्या है ?

श्री जगजीवन राम : पिछले साल 76 रु० था। दूसरे का भी 76 रु० था।

श्री राम सेवक यादव : फिर दोनों के खरीदने और बेचने का भाव अलग अलग क्यों है ?

श्री जगजीवन राम : इसलिये होता है कि जहाँ पर घाटा होता है, उस घाटे को पूरा करने की भी आवश्यकता है। इसमें छिपाने की कोई बात नहीं है, सदन को मालूम है....

13.00 hrs.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : अभी भी गोदामों में बड़ा घाटा होता है।

श्री जगजीवन राम : मैंने बताया है कि गोदामों की जहाँ कमी थी, उसको पूरा करने की कोशिश की गई है। कितना फूड कारपोरेशन की तरफ से खरीदा और कितना कैसे खरीदा-ये आंकड़े हम सदन में रखवा देंगे।

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : क्या इस बार आप विश्वास दिलाते हैं कि इससे नीचे कीमत गिरने नहीं दी जायेगी और जितना भी अनाज आवेगा वह समय पर खरीदा जायेगा ?

श्री जगजीवन राम : मैं विश्वास दिलाता हूं और पिछले साल भी सारा अनाज खरीदा था। लेकिन पिछले साल एक बात हो गई थी कि गेहूं में कुछ बीमारी लग गई थी। लेकिन जो दाम हमने निश्चित किये हैं वह अच्छे गेहूं के दाम निश्चित किए हैं इसलिए जो गेहूँ हमारे पास आ रहा है वह अच्छा गेहूँ है या नहीं। यह भी देखना पड़ेगा कि जो गेहूँ आ रहा है उसमें मिलावट तो नहीं है या उसमें ज्यादा धूल और कंकड़ तो नहीं हैं। ...

श्री कंवर लाल गुप्त : लेकिन खरीदा सब जायेगा ?

श्री जगजीवन राम : सब खरीदा जायेगा।

श्री मधु लिमये : मैंने सभी अनाजों के बारे में नहीं पूछा है। मैंने पाँच प्रमुख अनाजों के बारे में कहा कि कितने अनाज का राष्ट्रीय-करण कर चुके हैं और कितनी अवधि में करने वाले हैं जैसे कि गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा और मकई है।

श्री जगजीवन राम : मैंने कहा है कि इसके आंकड़े सदन को बता दूंगा।

13.02 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Mr. Speaker : Shri F. A. Ahmed.

The Deputy Minister in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Shri Bhanu Prakash Singh) : On behalf of Shri F. A. Ahmed, I beg to lay on the Table, ...

Shri Srinibas Misra (Cuttack) : Sir, I rise on a point of order.

श्री मधु लिमये (मुंगेर): मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मेरा कहना यह है कि इनको इजाजत नहीं देनी चाहिए और वह इसलिए कि जो सरकार की घोषित नीति है उसके विपरीत ये हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं प्रीवी पर्स के बारे में। तो ऐसी हालत में सदन की कार्यवाही चलेगी कैसे ? जब सरकार के मन्त्री ही सरकार द्वारा घोषित नीति को खत्म करने का प्रयास करेंगे प्रधान मन्त्री के आशीर्वाद से, तो फिर सरकार कैसे चलेगी ?

Shri Srinibas Misra : Sir, I rise on a point of order. There is item No. 4(2) (ii) (b) and 4(2)(iii) (b) ; both are the same. Why is the Minister laying the same thing twice ? This is my point of order. Item 4(2)(ii)(b) states :

"Annual Report of the Machine Tool Corporation of India Limited, Ajmer, for the year 1967-68 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon."

Item No. 4(2)(iii)(b) is also the same. Why should he lay the same thing twice ?

Shri Piloo Mody (Godhra) : May be misprint for 1968-69......

Shri Srinibas Misra : Let them say so.

The Minister of State in the Ministry of Finance (Shri P. C. Sethi) : One is Ajmer, another is Bangalore.

Shri Srinibas Misra : It is the same thing, Ajmer.

Mr. Speaker : It is a misprint. It is a mistake in printing. You are a very alert Member.

AUDIT REPORTS AND ACCOUNTS OF INDIAN STANDARDS INSTITUTE AND PAPERS UNDER COMPANIES ACT, 1956

The Deputy Minister in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Shri Bhanu Prakash Singh) : On behalf of Shri F. A. Ahmed, I beg to lay on the Table :

(1) A copy of the Audit Report on the Accounts of the Indian Standards Institution for the year 1966-67. [*Placed in Library. See.* No. LT-3183/70].

(2) A copy each of the following papers under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act 1956 :—

(i) (a) Review by the Government on the working of the Hindustan Machine Tools Limited, Bangalore, for the year 1968-69.

(b) Annual Report of the Hindustan Machine Tools Limited, Bangalore, for the year 1968-69 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

(ii) (a) Review by the Government on the working of the Machine Tool Corporation of India Limited Ajmer, for the year 1967-68.

(b) Annual Report of the Machine Tool Corporation of India Limited Ajmer, for the year 1967-68 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

(iii) (a) Review by the Government on the working of the Machine Tool Corporation of India Limited, Ajmer, for the year 1968-69.

(b) Annual Report of the Machine Tool Corporation of India Limited, Ajmer for the year 1968-69 along with the Audited Accounts and the Comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

(3) A statement showing reasons for delay in laying the papers mentioned at 2 (ii) of item 4 above. [*Placed in Library. See.* No. LT-3184/70].

ANNUAL REPORT ETC., OF HEAVY ENGINEERING CORPORATION LTD., RANCHI

The Minister of State in the Ministry of Steel and Heavy Engineering (Shri K. C. Pant) : I beg to lay on the Table a copy each of the following papers under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956 :

(1) Review by the Government on the working of the Heavy Engineering Corporation Limited, Ranchi, for the year 1968-69.

(2) Annual Report of the Heavy Engineering Corporation Limited, Ranchi, for the year 1968-69 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon. [*Placed in Library. See.* No. LT-3185/70].